SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Lecturer — Technical Education / Polytechnic (Rajasthan)

तकनीकी शिक्षा का व्याख्याता राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में डिप्लोमा स्तर के विद्यार्थियों को पढ़ाता है। ये वही संस्थान हैं जहाँ से कनिष्ठ अभियंता, तकनीशियन एवं पर्यवेक्षक स्तर की जनशक्ति निकलती है, इसलिए इस पद का काम राज्य...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-polytechnic-lecturer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

तकनीकी शिक्षा का व्याख्याता राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में डिप्लोमा स्तर के विद्यार्थियों को पढ़ाता है। ये वही संस्थान हैं जहाँ से कनिष्ठ अभियंता, तकनीशियन एवं पर्यवेक्षक स्तर की जनशक्ति निकलती है, इसलिए इस पद का काम राज्य की तकनीकी क्षमता से सीधे जुड़ा है। काम में अपनी शाखा के विषय पढ़ाना, प्रयोगशाला एवं कार्यशाला का संचालन, विद्यार्थियों की परियोजनाओं का मार्गदर्शन, उद्योग-प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट से जुड़ी गतिविधियाँ, तथा मूल्यांकन एवं परीक्षा-कार्य आता है। यह पद उन अभियांत्रिकी स्नातकों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है जो उद्योग के बजाय शिक्षण में जाना चाहते हैं — और यह ध्यान देने योग्य है कि इस सेवा में व्याख्याता ही नहीं, विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य के पद भी 100% सीधी भर्ती से भरे जाते हैं, जो विद्यालय शिक्षा से बिल्कुल उल्टा है। पात्रता की एक शर्त सबसे पहले जान लें: अभियांत्रिकी स्नातक में प्रथम श्रेणी अनिवार्य है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	संबंधित शाखा में अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी में प्रथम श्रेणी स्नातक। यदि अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर है तो प्रथम श्रेणी स्नातक अथवा स्नातकोत्तर किसी एक स्तर पर आवश्यक। मानविकी एवं विज्ञान के शिक्षण पदों हेतु — उपयुक्त विषय में प्रथम श्रेणी स्नातकोत्तर (सेवा नियम 2010, अनुसूची-I)
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: तकनीकी शिक्षा
आयु-सीमा	21 से 40 वर्ष व्याख्याता, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं पी.टी.आई. हेतु; विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य हेतु 55 वर्ष — आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को (सेवा नियम 2010, नियम 14) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	100% सीधी भर्ती — और इसी सेवा में विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य भी 100% सीधी भर्ती से

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- अभियांत्रिकी विषयों में गहरी रुचि एवं उन्हें पढ़ाने की इच्छा
- युवाओं को कौशल एवं रोज़गार तक पहुँचाना
- प्रयोगशाला एवं कार्यशाला का व्यावहारिक काम

क्षमताएँ

- विषय पर अधिकार एवं उसे व्यावहारिक रूप में समझाने की क्षमता
- विद्यार्थियों की परियोजनाओं का मार्गदर्शन
- सैद्धांतिक ज्ञान को कार्यशाला के काम से जोड़ना

ज़रूरी कौशल

- अपनी अभियांत्रिकी शाखा का डिप्लोमा-स्तर तक पूर्ण ज्ञान
- शिक्षण पद्धति, पाठ-योजना एवं मूल्यांकन
- उद्योग-प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट से जुड़ा समन्वय
- प्रयोगशाला एवं कार्यशाला का संचालन एवं सुरक्षा
- सी.ए.डी. एवं शाखा-विशिष्ट सॉफ़्टवेयर
- पाठ्यक्रम विकास एवं तकनीकी शिक्षा परिषद के मानकों की जानकारी

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान (भौतिकी, रसायन, गणित) उत्तीर्ण करें।
2. अपनी शाखा में बी.टेक./बी.ई. करें, और यहाँ सबसे महत्त्वपूर्ण बात है: प्रथम श्रेणी अनिवार्य है। यह पात्रता की शर्त है, वरीयता नहीं — द्वितीय श्रेणी से यह पद नहीं मिलता। इसका अर्थ यह है कि अभियांत्रिकी के चारों वर्षों के अंक इस करियर के लिए सीधे निर्णायक हैं, और यह बात प्रथम वर्ष से ही जान लेनी चाहिए, क्योंकि बाद में इसे सुधारा नहीं जा सकता।
3. यदि आप एम.टेक. करते हैं तो नियम कुछ छूट देता है, पर उसे ध्यान से पढ़ें: अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर होने पर प्रथम श्रेणी स्नातक अथवा स्नातकोत्तर, किसी एक स्तर पर होनी चाहिए। अर्थात् एम.टेक. प्रथम श्रेणी की शर्त हटाता नहीं, केवल यह विकल्प देता है कि वह प्रथम श्रेणी किस स्तर पर हो। जिनकी बी.टेक. में प्रथम श्रेणी नहीं आई, उनके लिए एम.टेक. में प्रथम श्रेणी लाना इस पद तक पहुँचने का वैध रास्ता है।
4. मानविकी एवं विज्ञान के शिक्षण पदों के लिए रास्ता अलग है: उपयुक्त विषय में प्रथम श्रेणी स्नातकोत्तर, तथा स्नातक अथवा स्नातकोत्तर किसी एक स्तर पर प्रथम श्रेणी। पॉलिटेक्निक में भौतिकी, रसायन, गणित एवं अंग्रेज़ी जैसे विषय भी पढ़ाए जाते हैं, इसलिए यह राह केवल अभियंताओं के लिए नहीं है।
5. आयु 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
6. आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- भर्ती राजस्थान लोक सेवा आयोग करता है और व्याख्याता का पद 100% सीधी भर्ती से भरा जाता है — अनुसूची में इसके आगे पदोन्नति का कोई प्रतिशत नहीं है।
- प्रथम श्रेणी की शर्त इस पद का असली फ़िल्टर है, और उसे सही ढंग से पढ़ना आवश्यक है। नियम कहता है: संबंधित शाखा में अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी में प्रथम श्रेणी अथवा समकक्ष स्नातक; और यदि अभ्यर्थी के पास अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर है तो प्रथम श्रेणी अथवा समकक्ष स्नातक या स्नातकोत्तर स्तर पर आवश्यक है। अर्थात् स्नातकोत्तर करने से शर्त समाप्त नहीं होती, केवल यह विकल्प मिलता है कि प्रथम श्रेणी दोनों में से किसी एक स्तर पर हो।
- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं। यह आयोग का पद है, बोर्ड का नहीं।
- इस सेवा की एक बात असामान्य है और वह करियर की योजना बदल सकती है: विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य के पद भी 100% सीधी भर्ती से भरे जाते हैं, और उनके लिए आयु-सीमा 55 वर्ष है। यह विद्यालय शिक्षा से बिल्कुल उल्टा है, जहाँ प्राचार्य का पद केवल पदोन्नति से भरता है। इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि उद्योग अथवा अन्य संस्थानों में वर्षों अनुभव रखने वाला अभियंता सीधे विभागाध्यक्ष अथवा प्राचार्य के पद के लिए आवेदन कर सकता है — और यह अवसर बहुत कम लोगों को ज्ञात है।
- यह पद इस परियोजना के अभिलेख में पहले "अनुपस्थित" के रूप में दर्ज था और वह गलत था — यह बात यहाँ दर्ज की जा रही है क्योंकि उसी प्रकार की भूल दूसरों को भी हो सकती है। 19 अगस्त को इसे आयोग की 246 विज्ञप्ति-नामों की सूची में खोजा गया, नहीं मिला, और अनुपस्थित मान लिया गया। सेवा नियम इसे स्पष्ट रूप से स्थापित करते हैं। किसी पद का किसी विज्ञप्ति-सूची में न मिलना यह नहीं बताता कि पद नहीं है — वह केवल यह बताता है कि उस सूची में वह नाम नहीं आया।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Malaviya National Institute of Technology (MNIT) — जयपुर, राजस्थान (https://mnit.ac.in/)
- MBM University, Jodhpur and government engineering colleges of Rajasthan — जोधपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर, उदयपुर (https://dte.rajasthan.gov.in/)
- Government polytechnic colleges — where the post itself is held — राजस्थान के सभी संभाग (https://dte.rajasthan.gov.in/)
- NITTTR — National Institute of Technical Teachers Training and Research — चंडीगढ़, भोपाल एवं अन्य (https://nitttrchd.ac.in/)

ऑनलाइन

- तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://dte.rajasthan.gov.in/)
- All India Council for Technical Education (AICTE) — भारत सरकार (https://www.aicte-india.org/)
- NPTEL and SWAYAM — free engineering course material at exactly this teaching level — भारत सरकार (https://nptel.ac.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

बी.टेक. राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में निजी संस्थानों की तुलना में बहुत कम शुल्क पर हो जाता है और प्रवेश राजस्थान की काउंसलिंग से होता है। इस राह की सबसे व्यावहारिक बात खर्च नहीं, अंक हैं: प्रथम श्रेणी की शर्त के कारण बी.टेक. के अंक इस करियर के लिए सीधे निर्णायक हैं, इसलिए जो निवेश करना है वह पढ़ाई के समय ध्यान का है, बाद में पैसे का नहीं। जिनकी बी.टेक. में प्रथम श्रेणी नहीं आई, उनके लिए एम.टेक. में प्रथम श्रेणी लाना वैध रास्ता है, और एम.टेक. गेट के माध्यम से सरकारी संस्थानों में छात्रवृत्ति के साथ किया जा सकता है — अर्थात् वह अवधि भी आय-रहित नहीं रहती। शिक्षण की तैयारी के लिए एन.पी.टी.ई.एल. एवं स्वयं की सामग्री निःशुल्क है और वह ठीक उसी स्तर की है जिस पर यहाँ पढ़ाना है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

राजस्थान के राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय — कक्षा-कक्ष, प्रयोगशालाएँ एवं कार्यशालाएँ। नियुक्ति राज्य के किसी भी संभाग में हो सकती है, और अनेक पॉलिटेक्निक छोटे शहरों में हैं।

कार्य-संस्कृति

शैक्षणिक जीवन की लय यहाँ भी वही है — सत्र, परीक्षाएँ एवं अवकाश — पर काम का स्वरूप महाविद्यालय शिक्षा से भिन्न है। पॉलिटेक्निक का विद्यार्थी तीन वर्ष बाद सीधे काम पर जाता है, इसलिए पढ़ाने में सिद्धांत से अधिक व्यावहारिक कौशल का महत्त्व रहता है, और प्रयोगशाला एवं कार्यशाला का समय कक्षा जितना ही महत्त्वपूर्ण होता है। इस पद की एक विशेष संतुष्टि यह है कि परिणाम शीघ्र दिखता है: जिस विद्यार्थी को आपने वर्कशॉप में मशीन चलाना सिखाया, वह तीन वर्ष में किसी कारखाने अथवा साइट पर वही काम कर रहा होता है। दूसरी ओर, विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि प्रायः साधारण होती है — बहुत से परिवार में पहली पीढ़ी के तकनीकी शिक्षा तक पहुँचने वाले होते हैं — और उन्हें उद्योग तक पहुँचाने में शिक्षक की भूमिका पढ़ाने से आगे जाती है, जिसमें प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट का समन्वय भी शामिल है। यह उन शिक्षण-पदों में है जहाँ उद्योग से संपर्क बनाए रखना काम का हिस्सा है, केवल शैक्षणिक रुचि नहीं।

कौन नौकरी देता है

- तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान — राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय
- तकनीकी शिक्षा (गैर-अभियांत्रिकी) सेवा के अंतर्गत संस्थान, जिनकी अलग नियमावली है
- राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं तकनीकी संस्थान

माँग (2026)

राजस्थान में राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों का जाल बड़ा है और डिप्लोमा स्तर की तकनीकी शिक्षा राज्य की कौशल-नीति का स्थायी अंग है, इसलिए इस संवर्ग की आवश्यकता बनी रहती है। भर्ती शाखावार होती है — सिविल, विद्युत, यांत्रिक, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर आदि — इसलिए किसी एक चक्र में आपकी शाखा के पद हों या न हों, यह विज्ञप्ति में देखना आवश्यक है। इस पद की योजना बनाते समय दो बातें व्यावहारिक रूप से उपयोगी हैं। पहली, प्रथम श्रेणी की शर्त प्रतिस्पर्धा को उन्हीं तक सीमित कर देती है जिनके अंक अच्छे हैं — यह दायरा उन सभी अभियांत्रिकी स्नातकों से बहुत छोटा है जो आवेदन करना चाहेंगे। दूसरी, और यह कम ज्ञात है, इसी सेवा में विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य के पद भी सीधी भर्ती से भरते हैं और उनकी आयु-सीमा 55 वर्ष है, इसलिए उद्योग में वर्षों बिता चुका अनुभवी अभियंता भी इस विभाग में सीधे प्रवेश कर सकता है। यह भी ध्यान रखें कि पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. व्याख्याता / सहायक प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारी / शैक्षणिक अधिकारी — प्रवेश का पद, 100% सीधी भर्ती, आयु 21 से 40
2. वरिष्ठ व्याख्याता — विभाग की सेवा-संरचना के अनुसार
3. विभागाध्यक्ष — 100% सीधी भर्ती से भी, आयु-सीमा 55 वर्ष; योग्यता अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी की उपयुक्त शाखा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर
4. प्राचार्य — 100% सीधी भर्ती से, विभागाध्यक्ष के पद के लिए लागू योग्यताओं पर, आयु-सीमा 55 वर्ष

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹70,000 – ₹95,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹1,10,000 से अधिक (भत्तों सहित, विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य स्तर पर)

2010 के सेवा नियमों में इन पदों के लिए पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। तकनीकी शिक्षा के पद प्रायः अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के वेतन-ढाँचे से जुड़े रहते हैं, जो सामान्य राज्य-सेवा पदों से भिन्न हो सकता है; सटीक स्थिति विज्ञप्ति में देखें। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- अभियांत्रिकी की पढ़ाई का सीधा उपयोग, शिक्षण के रूप में
- प्रथम श्रेणी की शर्त प्रतिस्पर्धा का दायरा बहुत छोटा कर देती है
- विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य के पद भी सीधी भर्ती से, आयु-सीमा 55 — अनुभवी अभियंताओं के लिए दुर्लभ अवसर
- शिक्षक की नियमित दिनचर्या, सत्र एवं अवकाश
- परिणाम शीघ्र दिखता है — विद्यार्थी तीन वर्ष में काम पर होता है

चुनौतियाँ

- बी.टेक. में प्रथम श्रेणी अनिवार्य — द्वितीय श्रेणी से यह पद नहीं मिलता
- भर्ती शाखावार होती है, इसलिए पात्र होते हुए भी उस चक्र में आपकी शाखा के पद न होना संभव है
- नियुक्ति प्रायः छोटे शहरों के पॉलिटेक्निक में
- उद्योग की तुलना में वेतन कम, यद्यपि सेवा-सुरक्षा अधिक

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान तकनीकी शिक्षा (अभियांत्रिकी) सेवा नियम, 2010 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/2023041304064219679 02Tech.Edu.2010pdf24_merged.pdf

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान — https://dte.rajasthan.gov.in/

4. एन.पी.टी.ई.एल. — निःशुल्क अभियांत्रिकी पाठ्य-सामग्री — https://nptel.ac.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in